मानवता का दीप जलाने से दूर होगी असमानता-दादी

विश्व शांति दिवस के रूप में मनायी बाबा की पुण्य तिथि

आबू रोड, 18 जनवरी, निसं। आज जरूरी है कि हम मानवता को प्राथमिकता देते हुए अपने अन्दर मूल्यों का विकास करें। भाईचारा और सदभाव ही एक ऐसा तंतु है जो मनुष्यता को बांधे रखता है। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने पूरी दुनिया में यह पैगाम दिया कि बिना मानवता के दीप जलाये सदभावना नहीं आ सकती। उक्त उदगार ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने व्यक्त किये। वे शांतिवन में आयेजित विशाल जनसभा को सम्बोधित कर रही थी।

आगे उन्होंने कहा कि बाबा ने जो आत्मीयता का बीज बोया वह आज वट वृक्ष का रूप ले चुका है। आज लाखों लोगों ने अपनी जिन्दगी में सकारात्मक बदलाव लायें है। इससे निश्चित तौर पर समाज में बदलाव आयेगा और लोग नयी दुनिया बनाने में कामयाब होंगे।

इस अवसर पर भारत सकार के अन्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी ईश्वरैय्या ने कहा कि बाबा ने जो ज्ञान दिया वह सर्व मनुष्यातओं के आन्तरिक विकास के लिए जरूरी है। यदि आन्तरिक मूल्यों का विकास नहीं होगा तो मनुष्य कभी भी अपने जीवन में तरक्की नहीं कर सकता। यही कारण है कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने पूरे विश्व में लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने का प्रयास किया है।

छत्तीसगढ़ के लोकायुक्त लालचन्द भांदू ने कहा कि हम तो काफी समय से इस संस्था से जुड़े है और इसके ज्ञान का श्रवण करते है। जिस तरह से संस्कारो का बदलाव होता है वह आज के समय के लिए अति आवश्यक है। बाबा ने अस्सी के दशक जो ज्ञान का पौधा लगाया वह आज विशाल रूप धारण कर चुका है। इसके साथ ही संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके निर्वेर, अतिरिक्त महासचिव बीके रमेश, बीके बृजमोहन, सूचना निदेशक बीके करूणा समेत बड़ी संख्या में लोगां ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबा के पदचिन्हों पर चलने की अपील की। साथ ही वर्तमान समय लोगों में सदाचार और सदभाव बढ़ाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा बीके मोहिनी, कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ओम प्रकाश, ज्ञानामृत के सम्पादक आत्म प्रकाश समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

फोटो, 18एबीआरओपी, 1, 2, 3 4 विशाल जनसभा को सम्बोधित करती दादी तथा सभा में उपस्थित हजारों लोग।